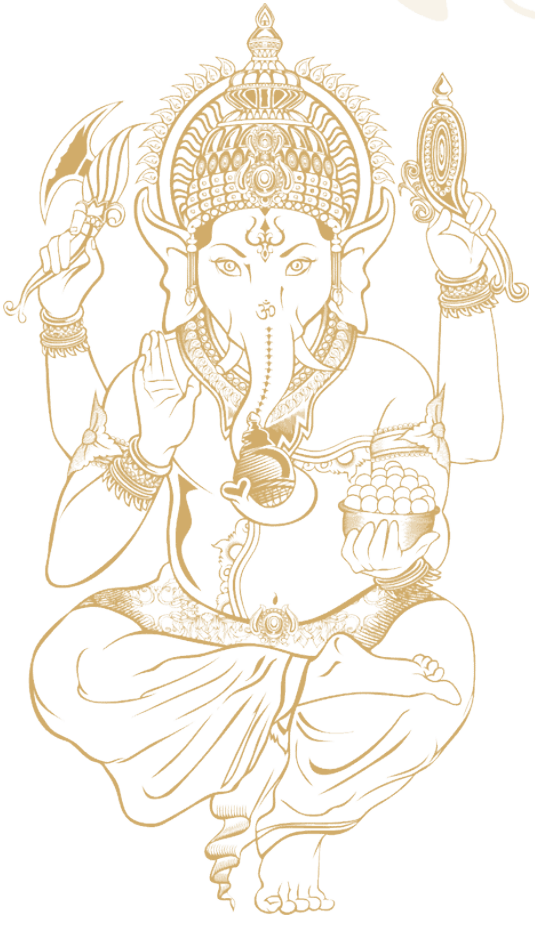

Aaradhya

22 Oct 2013

07:21 AM

Bikaner

Model: web-freekundliweb

Order No: 121733202

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**22/10/2013**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**07:21:00 घंटे**
इष्ट	01:39:16 घटी
स्थान	**Bikaner**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	28:01:00 उत्तर
रेखांश	73:22:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:36:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:44:28 घंटे
वेलान्तर	00:15:33 घंटे
साम्पातिक काल	08:47:07 घंटे
सूर्योदय	06:41:17 घंटे
सूर्यास्त	18:00:30 घंटे
दिनमान	11:19:13 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	04:46:25 तुला
लग्न के अंश	12:35:25 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**रोहिणी - 1**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	व्यतिपात
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	सर्प
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरूड़
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	ओ-ओमवती
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

+91 9351141151
pt.jmjoshi@gmail.com

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	12:35:25	311:23:11	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	बुध	---
सूर्य			तुला	04:46:25	00:59:41	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	नीच राशि
चंद्र			वृष	10:53:16	12:17:00	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	चंद्र	मूलत्रिकोण
मंगल			सिंह	09:52:35	00:35:25	मघा	3	10	सूर्य	केतु	शनि	मित्र राशि
बुध	व		तुला	24:18:53	00:05:06	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	मित्र राशि
गुरु			मिथु	26:01:50	00:03:08	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	केतु	शत्रु राशि
शुक्र			वृश्चि	21:25:57	01:03:11	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	सम राशि
शनि		अ	तुला	18:20:44	00:07:04	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	उच्च राशि
राहु			तुला	13:40:26	00:00:57	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	मित्र राशि
केतु			मेष	13:40:26	00:00:57	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
हर्ष	व		मीन	15:44:56	00:02:15	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	---
नेप	व		कुंभ	08:40:08	00:00:44	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	---
प्लूटो			धनु	15:11:25	00:00:57	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	---
दशम भाव			कर्क	15:17:36	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:03:09

लग्न-चलित

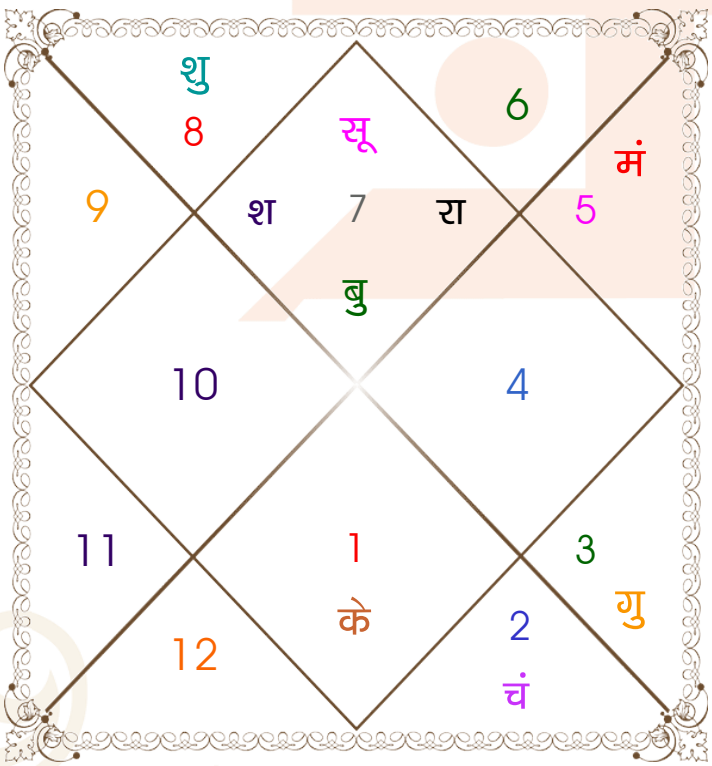

चन्द्र कुंडली

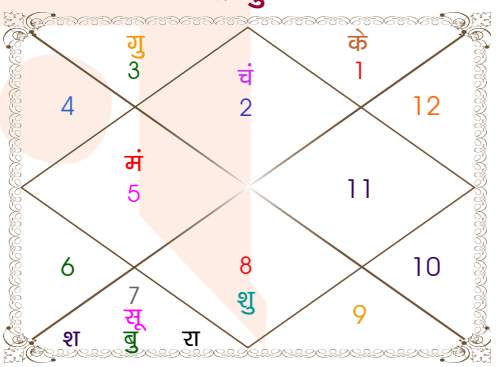

नवमांश कुंडली

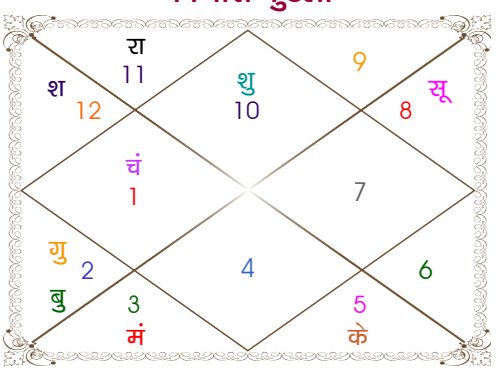

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 9 वर्ष 4 मास 0 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
22/10/2013		21/02/2023		21/02/2030		21/02/2048		21/02/2064	
21/02/2023		21/02/2030		21/02/2048		21/02/2064		21/02/2083	
चंद्र	22/12/2013	मंगल	20/07/2023	राहु	03/11/2032	गुरु	11/04/2050	शनि	24/02/2067
मंगल	23/07/2014	राहु	07/08/2024	गुरु	30/03/2035	शनि	22/10/2052	बुध	03/11/2069
राहु	22/01/2016	गुरु	14/07/2025	शनि	03/02/2038	बुध	28/01/2055	केतु	13/12/2070
गुरु	23/05/2017	शनि	23/08/2026	बुध	22/08/2040	केतु	04/01/2056	शुक्र	12/02/2074
शनि	22/12/2018	बुध	20/08/2027	केतु	10/09/2041	शुक्र	04/09/2058	सूर्य	25/01/2075
बुध	23/05/2020	केतु	16/01/2028	शुक्र	09/09/2044	सूर्य	23/06/2059	चंद्र	25/08/2076
केतु	22/12/2020	शुक्र	17/03/2029	सूर्य	04/08/2045	चंद्र	22/10/2060	मंगल	04/10/2077
शुक्र	23/08/2022	सूर्य	23/07/2029	चंद्र	03/02/2047	मंगल	28/09/2061	राहु	10/08/2080
सूर्य	21/02/2023	चंद्र	21/02/2030	मंगल	21/02/2048	राहु	21/02/2064	गुरु	21/02/2083

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
21/02/2083		21/02/2100		22/02/2107		22/02/2127		22/02/2133	
21/02/2100		22/02/2107		22/02/2127		22/02/2133		00/00/0000	
बुध	20/07/2085	केतु	21/07/2100	शुक्र	24/06/2110	सूर्य	12/06/2127	चंद्र	23/10/2133
केतु	17/07/2086	शुक्र	20/09/2101	सूर्य	24/06/2111	चंद्र	11/12/2127		00/00/0000
शुक्र	17/05/2089	सूर्य	25/01/2102	चंद्र	22/02/2113	मंगल	17/04/2128		00/00/0000
सूर्य	23/03/2090	चंद्र	27/08/2102	मंगल	24/04/2114	राहु	12/03/2129		00/00/0000
चंद्र	23/08/2091	मंगल	23/01/2103	राहु	24/04/2117	गुरु	29/12/2129		00/00/0000
मंगल	19/08/2092	राहु	10/02/2104	गुरु	24/12/2119	शनि	11/12/2130		00/00/0000
राहु	08/03/2095	गुरु	16/01/2105	शनि	22/02/2123	बुध	18/10/2131		00/00/0000
गुरु	13/06/2097	शनि	25/02/2106	बुध	23/12/2125	केतु	22/02/2132		00/00/0000
शनि	21/02/2100	बुध	22/02/2107	केतु	22/02/2127	शुक्र	22/02/2133		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 9 वर्ष 4 मा 2 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

+91 9351141151
pt.jmjoshi@gmail.com

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के उदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश एवं कुंभ का द्रेष्काण भी उदित था। जो आपके लिए विशिष्ट प्रकार का सौभाग्य प्राप्ति का संकेत प्रदान कर रहा है। इसके प्रभाव से आपके जीवन में स्वास्थ्य, आरोग्य, धन एवं वासनात्मक सुखों से युक्त सुसज्जित जीवन का संकेत प्राप्त होता हैं।

आपका संपूर्ण जीवन सुव्यवस्थित एवं आनन्द से परिपूर्ण रूप से व्यतीत होगा। चाहे जो कुछ भी हो आप मात्र इसी संबंध में अन्वेषण करती रहती हो कि सुखी जीवन व्यतीत करने के लिए किस प्रकार क्या कार्य किया जाए-ताकि काफी लाभ हो, तथा आरामदायक जीवन यापन हेतु अन्य लोगों पर अपना प्रभाव डाला जाए। आप धनोपार्जन कर मित्रों की प्रसन्नता एवं भरण-पोषण देखभाल के साथ-साथ अपना वैवाहिक जीवन भी आनन्दपूर्वक व्यतीत करना चाहती हैं।

आप अपने पति की सभी बातें मानेंगी। आप अपने पति के साथ संभोगात्मक प्रदर्शन हेतु प्रेम संबंधित वृष्टि करती रहेंगी। आप सदैव दूसरों की दृष्टि के संबंध में कुछ बढ़ा-चढ़ा कर बातें करेंगी। लेकिन आप में नितांत संमोहक गुण विद्यमान है। आप सुंदरता का मूल्यांकन अपनी पसंद से करने में बहुत पसंदीदा महिला हैं।

आपकी आवासीय साज-सज्जा उपयुक्त है ऐसा संदेह है। आप सदैव अच्छी प्रकार सुंदर चीजों को देखना चाहती हैं। आप ऐसा चाहती हैं कि आपका घर अच्छी साज-सज्जाओं से सुसज्जित रहे तथा छोटी-छोटी कलात्मक वस्तुएं घर की शोभा बढ़ाकर विशिष्ट प्रकार से दृश्य हो। यह कोई महत्त्व की बात नहीं कि उन वस्तुओं की कीमत क्या है। आप इन सभी कार्य को करने के लिए समर्थ हैं क्योंकि आप धनी हों आप इन चीजों के मूल्य में किसी प्रकार की कटौती नहीं करना चाहती। आप अपनी वैचारिक योजना के अनुरूप अपनी कुशाग्रबुद्धि के अनुसार कार्य को पूर्ववत् करना चाहती हैं। आप एक शिक्षित महिला की तरह उद्यमपूर्वक अधिक मात्रा में इन वस्तुओं को प्राप्त करना चाहती हैं। मुख्यतः आपके जीवन को 30 वें वर्ष से 35 वें वर्ष के मध्य आपका समय लाभप्रद रहेगा।

आपको विश्वास है कि आपका भविष्य दर्शनीय होगा। अतएव आप ऐसा अनुभव करती हैं कि समन्वित साहसिक प्रयास से घरेलू वातावरण दर्शनीय हो जाएगा। आप अपने पसंदीदा मित्रों की नजरों में अथवा उनके दृष्टिकोण से शक्ति संपन्न दृश्य होना चाहती है। यह प्राप्त करना तब ही संभव है कि आप अपने कर्म व्यवसाय का संपादन बिना किसी भी संक्षिप्ता, भय अथवा आशंका की बिन्दु मात्र के ही करे तब ही संभाव्य है।

आप अपने जीवन के आध्यात्मिक पक्ष को बिना अदृश्य किए अर्थात् बिना महत्वहीन किए प्रायः सभी पक्ष से संभाव्य सफलता के लिए चिंतित एवं प्रयत्नशील रहेंगी। आप अपने अतिरिक्त समय में आध्यात्मिक दर्शन के संबंध में शिक्षा प्राप्त कर प्रदर्शित करना चाहती हैं। आप कतिपय परोपकारी कार्य संपादन कर अपने मित्रों एवं भाईयों को सहयोग प्रदान

+91 9351141151
pt.jmjoshi@gmail.com

करेंगी।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु इसका अर्थ यह नहीं है कि आप संभाव्य कतिपय रोगादि के प्रति सावधानी नहीं बरतें यथा मूत्र विकार, एकज्मिा, फोड़े फुन्सी। यद्यपि कुछ दिनों का आंशिक रोग है तथापि इन रोगों के प्रति भी सर्तकता बरतनी चाहिए।

कुछ असंभावित रोगों के प्रति घटना क्रमानुसार समय-समय पर रोग परीक्षण एवं समयानुकूल भोजनादि पर ध्यान देना चाहिए।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

यदि आप अपने व्यवहार हेतु अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक का प्रयोग करें, तो यह दिन आपके लिए लाभकारी प्रमाणित होगा। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक किसी भी दशा में अव्यवहृत हैं।

आपके लिए रंग हरा एवं पीला रंग अनुकूल नहीं है। परंतु आपके लिए स्पष्ट रूप से नारंगी, लाल, उजला रंग अत्याधिक लाभप्रदायक रंग है।

+91 9351141151
pt.jmjoshi@gmail.com